

संक्षिप्त

समाचार

महीने के पहले दिन शेयर मार्केट लहलुहान, 10 लाख करोड़ स्वाहा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। सितंबर में शेयर बाजार में भारी बिकवाली रही और निवेशकों को लाखों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। माना जा रहा था कि अक्टूबर का महीना निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आएगा क्योंकि ऐतिहासिक रूप से यह महीना शेयर बाजार के लिए अच्छा रहा है। लेकिन महीने के पहले ही दिन निवेशकों को 10 लाख करोड़ रुपये का झटका लगा। संसेक्स और निफ्टी दोनों में 1.5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। लगातार विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और अन्य कारणों से निवेशक डरे हुए थे।



बीएसई संसेक्स करीब 1,100 अंक गिरकर 71,400 के नीचे आ गया, जबकि निफ्टी 50 में करीब 400 अंक की गिरावट आई और यह 22,300 के नीचे चला गया। इस भारी बिकवाली के कारण बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैप लगभग 10 लाख करोड़ रुपये कम होकर 462 लाख करोड़ रुपये से नीचे आ गया।

किन शेयरों में आई गिरावट?

आज एमएंडएम, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, अजनी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, एचयूएल और बीईएल के शेयरों में 3-4 प्रतिशत की गिरावट आई और ये संसेक्स में सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयर रहे।

2008 अहमदाबाद धमाके

इंडियन मुजाहिदीन के सदस्य की फांसी पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2008 के अहमदाबाद बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के एक सदस्य की मौत की सजा पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया है। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने अहमद बावा उर्फ अब्बु अब्दुल बरलेवी की याचिका पर गुजरात सरकार को नोटिस जारी

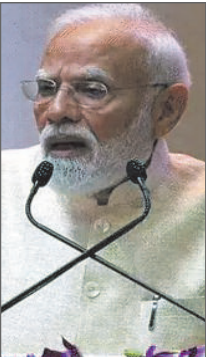


किया है। बावा ने गुजरात हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें निचली अदालत द्वारा उसे सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा गया था। शीर्ष अदालत ने मामले में निचली अदालत का रिकॉर्ड भी तलब किया है। 38 दोषियों की मौत की सजा बरकरार रखी थी हाईकोर्ट ने- 7 जुलाई को गुजरात हाईकोर्ट ने 2008 के अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के 38 सदस्यों को सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा था। अदालत ने बड़ी संख्या में लोगों की मौत, हमले की साजिश रचने और आतंक फैलाने का दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई थी।

यूपीएससी पर भरोसा अटूट है

पीएम मोदी शताब्दी समारोह में बोले, आईएस-आईपीएस बनाने वाली संस्था के 100 साल पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 अक्टूबर को सुबह 11 बजे नई दिल्ली के भारत मंडप में यूपीएससी के शताब्दी समारोह को संबोधित किया। यूपीएससी के 100 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयोग की भूमिका और देश की प्रशासनिक व्यवस्था में उसके योगदान को रेखांकित किया। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 1 अक्टूबर 2026 को अपनी स्थापना के 100 साल पूरे किए। इस अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडप



में दो दिवसीय शताब्दी समारोह 'मंथन' आयोजित किया गया। आयोग की स्थापना 1 अक्टूबर 1926 को हुई थी। इस दौरान किताब, डाक टिकट और सिक्का जारी किया। पीएम मोदी ने कहा कि इन 100 साल में पीएससी ने सिविल सेवाओं के लिए निष्पक्ष और योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आयोग के शताब्दी समारोह में पारदर्शिता, तकनीक और भविष्य की प्रशासनिक चुनौतियों पर भी चर्चा हुई।

पीएम मोदी ने राष्ट्र-निर्माण में बताई पीएससी की भूमिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र-निर्माण में पीएससी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि आयोग ने कई पीढ़ियों के लोक सेवकों की पहचान करने और उन्हें तैयार करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि उनके काम ने देश को भारत की विकास यात्रा में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि देश की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग ने देशकों में लगातार खुद को बदला है।

सीएम योगी बोले- बंद कमरे में टिप्पणी करना आसान

सुरक्षा हटा दें तो कुछ लोग भीगी बिल्ली बने नजर आएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकार की कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश के हर जिले में दुर्दांत माफिया का बोलबाला था। समानांतर सरकारें चलती थीं। माफिया के सामने नाक रगड़ी जाती थी, घुटने टेके जाते थे और पुलिस मजबूर थी। राजनीतिक नेतृत्व की रीढ़ ही टेढ़ी हो तो वह कानून-व्यवस्था को सीधा कैसे कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को



लोकभवन सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 87 इंटरसेक्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाई, वीर पुलिसकर्मियों को पदक प्रदान किए और पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन भी किया।

बंद कमरे में बैठकर टिप्पणी करना बेहद आसान- मुख्यमंत्री ने कहा कि बंद कमरे में बैठकर किसी के प्रति कोई भी टिप्पणी करना आसान है। कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो और उसे अपने पद का कितना भी गुरुत्व हो, सुरक्षा हटा दी जाए तो अराजकता के माहौल में उसे भीगी बिल्ली बनने में देर नहीं लगेगी। स्वस्थ चिंतन तभी संभव है, जब समाज में सुरक्षा का वातावरण हो। सुरक्षित माहौल में ही समृद्धि की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

राहुल गांधी बालाघाट में मृत आदिवासी बच्चों के परिवारों से मिले

कहा- सरकार बीमारियों से निपटने में नाकाम

बालाघाट (एजेंसी)। राहुल गांधी ने गुरुवार को बालाघाट में बिरसा ब्लॉक के जगला गांव में बैगा आदिवासियों से मुलाकात की। यहां वे एक घंटे रुके। इस दौरान वे उन बच्चों के परिवारों से भी मिले, जिनकी बीमारी के चलते मौत हुई थी। राहुल से मिलने के लिए आसपास के गांवों के डेढ़ हजार लोग पहुंचे थे। राहुल ने कहा, बीमारी से निपटने में राज्य सरकार पूरी तरह फेल रही है। वे यह मुद्दा लोकसभा में उठाएंगे। उन्होंने कहा कि आदिवासी महिलाओं को लाड़ली बहना स्कीम का लाभ नहीं मिल रहा है। इससे पहले रास्ते में राहुल



ने माटे प्राथमिक शासकीय स्कूल में बच्चों से 15 मिनट मुलाकात की। उनसे मिड डे मील के बारे में जाना। बालाघाट जिले में पिछले 3 महीनों में कुपोषण और मलेरिया

से 32 आदिवासी बच्चों की मौत हुई है। कांग्रेस का आरोप है कि यह संख्या ज्यादा है। सरकार आंकड़े छुपा रही है। उधर, बीजेपी ने इस दौरे को राजनीतिक माइलेज लेने की कवायद बताया है।

राहुल बोले-

बीमारी-कुपोषण से मौतें हुईं, केंद्र-मध्यप्रदेश सरकार फेल- राहुल गांधी ने कहा कि बीमारी और कुपोषण के कारण मौतें हुई हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को हिंदुस्तान के बीच में छोड़ दिया गया है। राहुल ने केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार को फेल बताया। राहुल बोले- बीमारी का मुद्दा लोकसभा में उठाएंगे राहुल गांधी ने कहा कि बीमारी के मामले में सरकार फेलियर रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लोकसभा में उठाया जाएगा। राहुल ने आदिवासी महिला को लाड़ली बहना योजना का लाभ नहीं मिलने पर भी सवाल खड़े किए। सुधिया बोली- राहुल गांधी हमेशा अडिग- कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधिया श्रीनेत्र ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- इस देश में जिसके साथ भी अन्याय होता है, वहां उनके साथ एक ही आदमी खड़ा है। हमेशा, हर वक्त, अडिग।

सारण और मुजफ्फरपुर में तट बंध टूटे; कई इलाके बाढ़ की चपेट में, नेशनल हाइवे तक पहुंचा पानी

बिहार में गंडक नदी उफान पर



पटना (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले में तटबंध क्षतिग्रस्त होने के बाद बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। मकरे प्रखंड में तटबंध टूटने से बड़ी मात्रा में पानी फैल गया है। इससे मकरे प्रखंड की सभी पंचायतें और अमनौर प्रखंड की कुछ पंचायतें प्रभावित हुई हैं। पानी का तेज बहाव परसा प्रखंड की ओर भी हो रहा है। वहीं, बाढ़ का पानी कुछ स्थानों पर एनएच-722 पर चढ़ जाने से आवागमन और संपर्कता प्रभावित हुई है। जिला प्रशासन के अनुसार, जिले की 18 पंचायतों के 48 गांव बाढ़ से

प्रभावित थे। प्रभावित आबादी करीब 24,725 और लगभग 4,220 परिवार हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है। प्रभावित पंचायतों में नाव की व्यवस्था- जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और वरीय पुलिस अधिकारी स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और स्थानीय लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहे हैं। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि मकरे में तटबंध टूटने के बाद पानी तेजी से फैल रहा है। प्रभावित पंचायतों में नावें लगाई गई हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि कल रात से ही प्रशासन की टीमों में एनडीआरएफ की दो टीमों और एसडीआरएफ की एक टीम को लगाया गया है। करीब 5,000 लोगों के भोजन की व्यवस्था- बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए जिले के विभिन्न प्रखंडों में सामुदायिक रसोई शुरू की गई हैं। बुधवार को 14 सामुदायिक रसोई के माध्यम से करीब 5,000 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई।

यूपी के 14 शहरों में बाढ़, स्कूल-मंदिरों में घुसा पानी: लखनऊ के कई इलाके जलमग्न



आबादी बाढ़ में फंसी हुई है। गलियों में नावें चलाई जा रही हैं। वहीं, बाढ़ के पानी में डूबने से 2 युवकों की मौत हो गई। उन्नाव में भी बाढ़ के तेज बहाव में सड़क बह गई है। राजस्थान: राज्य में दिन में तेज गर्मी, रात में ठंडक- राजस्थान में इस मानसून सीजन करीब 22 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड हुई। कम बरसात के कारण अक्टूबर में भी दिन में तेज गर्मी महसूस हो रही है। प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मौसम साफ रहा। दिन में तेज धूप और रात में हल्की ठंडक रही। शेखावाटी क्षेत्र के अलावा उदयपुर, सिराही में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस या उसके करीब रहा।

6 महीने होते ही भारत उड़ाएगा पूरी दुनिया की नौद

होमी भाभा के सपनों का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर मार्च तक पूर्ण होने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अगले छह महीने में 500 मेगावाट (एमडब्ल्यू) वाला प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) पूरा हो जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह रिएक्टर डॉ. होमी जहांगीर भाभा के तीन-चरण वाले परमाणु कार्यक्रम का मुख्य हिस्सा है। फास्ट ब्रीडर रिएक्टर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह इस्तेमाल होने वाले परमाणु ईंधन से ज्यादा इस्तेमाल करने लायक परमाणु ईंधन बनाता है। इससे भारत के थोरियम के विशाल भंडार का लंबे समय तक इस्तेमाल करने का रास्ता खुलता है। भारत के 'नेट जीरो 2070' के लक्ष्य को हासिल करने में यह



प्रोजेक्ट बेहद मददगार हो सकता है। 500 एमडब्ल्यू पीएफबीआर रिएक्टर मार्च, 2027 तक पूरा होने की उम्मीद- भारतीय नाभिकीय विद्युत लिमिटेड ने बताया है कि तमिलनाडु के कलपक्कम में इस 500 एमडब्ल्यू

का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर मार्च 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। इंडिया टुडे ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) एप्लीकेशन के तहत मिले जवाबों के आधार पर यह जानकारी दी है।

आम पावर रिएक्टरों से अलग ये परमाणु रिएक्टर- BHAVINI के आरटीआई जवाब से प्ति होती है कि वह कलपक्कम में 500 एमडब्ल्यू के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर को चालू कर रहा है। जवाब में कहा गया है कि इस प्रोजेक्ट के मार्च 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह रिएक्टर भारत के तीन-चरण वाले न्युक्लियर प्रोग्राम में एक अहम कदम है। अतिरिक्त इस्तेमाल लायक न्युक्लियर फ्यूल बनाने की इसकी क्षमता इसे आम पावर रिएक्टरों से अलग बनाती है और थोरियम के इस्तेमाल की देश की लंबी अवधि की योजनाओं में मदद करती है। 500 एमडब्ल्यू के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर परमाणु रिएक्टर डॉ. होमी जहांगीर भाभा के तीन-चरण वाले परमाणु कार्यक्रम का हिस्सा है।



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। अब शनिवार को गोल्ड के लिए भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह पहला मौका है जब ये दोनों टीमों एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

हाकी में भारत ने आखिरी मिनट में गोलकर पाकिस्तान को हराया

भारत ने बेहद रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर एशियन गेम्स में सेंट्रल की फाइनल में जगह बना ली है। अभिषेक ने मैच के आखिरी मिनट में गोल कर भारत को जीत दिलाई। गोल्ड मेडल के लिए 3 अक्टूबर को भारत का सामना कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करना ही श्राद्ध है

(लेखक- रमेश सराफ धमोरा)

श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिले हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण है। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है।

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भगवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है।

इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम्, अर्थात् जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है जिसकी शुरुआत वैदिक काल से मानी जाती है। महाभारत के अनुसार सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का

आर्शावाद प्राप्त होता है। श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोड़कर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हें यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांडों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आयापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जो तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पितरों को प्राप्त होता है।

पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है। भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनमन दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को



देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिवापालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है।

गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वही रह कर श्राद्ध किया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूद्र पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे। श्राद्ध महिमा में कहा गया है-आयु- पूजां धनं विद्यां स्वर्गं मोक्षं सुखानि च। प्रयच्छति तथा राज्यं पितरः श्राद्ध तर्पिताः। – अर्थात् जो लोग अपने पितरों का श्राद्ध श्रद्धापूर्वक करते हैं, उनके पितर संतुष्ट होकर उन्हें आयु, संतान, धन, स्वर्ग, राज्य मोक्ष व अन्य शोभाग्य प्रदान करते हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

अरब सागर से पंजाब तक नशे का नेटवर्क देश की सुरक्षा और युवा पीढ़ी के लिए बड़ी चुनौती

(लेखक- कलिलाल मांडोत)

समुद्री सीमा की चौकसी के साथ समाज को भी बनना होगा नशामुक्ति की मजबूत दीवार

भारत की समुद्री सीमा से मादक पदार्थों की एक और बड़ी खेप पकड़े जाने ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नशे का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, युवा पीढ़ी और सामाजिक व्यवस्था से जुड़ी गंभीर चुनौती बन चुका है। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते और भारतीय तटरक्षक बल ने 25 सितंबर 2026 को लक्षद्वीप के पश्चिम में अरब सागर में संयुक्त अभियान चलाकर एक ईरानी नाव से करीब 526 किलोग्राम हेरोइन और मेथामफेटामाइन बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी नागरिकों को भी पकड़ा गया है। यह कार्रवाई केवल एक खेप पकड़ने की घटना नहीं है। इसके पीछे काम कर रहे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की जांच अब सुरक्षा एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी जानकारी के अनुसार अभियान खुफिया सूचना के आधार पर चलाया गया और समुद्री तथा हवाई निगरानी के बाद संदिग्ध नाव को रोका गया। नाव और पकड़े गए लोगों को मुंबई लाकर आगे की संयुक्त जांच शुरू की गई है। एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क के पीछे कौन लोग हैं, माल के संचालित प्राप्तकर्ता कौन थे और इसके आर्थिक लेनदेन की कड़ियां कहां तक जाती हैं। जांच से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि खेप को भारत में पहुंचाने के बाद आगे दूसरे राज्यों तक ले जाने की योजना थी। रिपोर्टों में एक नाइजीरियाई व्यक्ति और पाकिस्तान से जुड़े कथित तस्करी नेटवर्क का भी उल्लेख है। इन दावों की पूरी पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। इसलिए किसी पूरे देश या समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को तस्करी से जोड़ना उचित नहीं होगा। वास्तविक चुनौती उन संगठित आपराधिक नेटवर्क को पहचानना और तोड़ना है जो अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और समुद्री रास्तों का इस्तेमाल करते हैं।



क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली

शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं है। असम्मोह अर्थात् संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है।

वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के

छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए।

सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यो के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को साधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि अर्थयों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है। दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में

न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए।

इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कूष्ठ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार कर और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

संपादकीय

आसमानी साहस

यह कल्पना करना भी कठिन होता है कि सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा के लिये जवाबदेह किसी हवाई जहाज का कोई को-पायलट अपने कैप्टन पर हमला करके जहाज को ऋंश कराने की साजिश करेगा। यहां तक कि पायलटों को ट्रेनिंग में भी इस तरह की अप्रत्याशित चुनौती पर तर्का नहीं होती, क्योंकि यह विश्वास ही नहीं किया जा सकता कि कोई पायलट अपने पेशे से गद्दारी कर ऐसा कृत्य कर सकता है। कभी आसमान में जब ऐसा अप्रत्याशित घटे। फिर गंभीर रूप से घायल कैप्टन हमलावर साथी पायलट के घातक हमलों से जूझता हुआ, बेहद मुश्किल हालात में कॉकपिट खोल दे। फिर यात्रियों व क्रू-मैम्बर्स को मदद के लिये आवाज दे। तो वास्तव में वह कैप्टन हमारी हकीकत की जिंदगी के हीरो से भी बढ़कर महानायक सरीखा ही है। फ्लाई दुबई के हवाई जहाज में कैप्टन रिमत मच्छर के ऐसे ही साहस से भयानक साजिश के चलते अचानक हजारों फीट नीचे गिरते जहाज को नियंत्रण में लाया जा सका। उनके साहस से हवाई जहाज में सवार 174 यात्रियों की जान बचायी जा सकी है। आज रिमत के साहस की दुनिया तारीफ कर रही है। हमेशा भारतीयों को लेकर असहज टिप्पणियां करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने रिमत के साहस की सार्वजनिक रूप से तारीफ की है। इसाइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हीरो की तारीफ करते हुए कहा है कि एक हिंदुस्तानी ने एक दूसरा 9/11 होने से बचा लिया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत का गौरव बढ़ाने वाले रिमत मच्छर के साहस की मुक्तकंठ से प्रशंसा की है। निरसंदेह, रिमत व हवाई जहाज में साहस दिखाकर विमान की सऊदी अरब में सुरक्षित लैंडिंग कराने वाले सहयोगी यात्री अभिनंदन के काबिल हैं। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाई दुबई की फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग की घटना अप्रत्याशित और रोंगटे खड़े करने वाली है। इसाइली यात्री यानीव हायुन भी बड़ी त्रासदी टालने वाले साहसी यात्रियों में शामिल थे। इस हवाई जहाज के इसाइल में उतरने पर इसाइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हवाई अड्डे पहुंचकर इस साहसी यात्री की पीठ थपथपायी। बहरहाल, रिमत मच्छर द्वारा समय पर दिखाए गए अदम्य साहस ने एक बड़ी हवाई त्रासदी को टाल दिया। निश्चित रूप से आने वाले समय में जांच के बाद कई अहम सवालों के जवाब मिल पाएंगे। सवाल है कि आखिर विमान का को-पायलट जहाज को क्यों ऋंश कराना चाहता था? क्या इसके पीछे कोई आत्मघाती विचारधारा काम कर रही थी या ये कोई बड़ी आतंकी साजिश थी? क्या ये को-पायलट के कट्टरपंथ की ओर रुझान, या फिर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या की परिणति थी? वैसे साजिश में ईरान के शामिल होने के दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। समय की मांग है कि सऊदी अरब, यूएई और इसाइल आदि देशों के जांचकर्ताओं को असलियत का पता लगाना चाहिए। बहरहाल, इसाइल पर हमास के घातक हमले की तीसरी बरसी से कुछ दिन पहले हुई इस भयावह घटना ने दुनियाभर में हवाई यात्रा की सुरक्षा से जुड़े सवालों पर सबका ध्यान खींचा है। इस घटनाक्रम के कई अनुत्तरित सवाल लोगों को परेशान कर रहे हैं कि को-पायलट को प्राणघातक हथियार कैसे मिला? क्या हवाई जहाज के उड़ान भरने से पहले कॉकपिट सुरक्षा के मौजूदा नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया था? घटनाक्रम के आलोक में एंविरोशन प्रोटोकॉल की पारदर्शी जांच भी जरूरी है। इस घटना का मानवीय पहलू यह है कि कैप्टन, यात्रियों व क्रू मैम्बर्स ने बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में विमान को आकाश में बनाये रखा।

(लेखक - सनत जैन)

-अब फॉर्म 7 में धांधली

केंद्रीय चुनाव आयोग सॉफ्टवेयर के माध्यम से क्या-क्या गुल खिला रहा था यह एक के बाद एक स्पष्ट होता चला जा रहा है। हाल ही में फॉर्म नंबर 6 और तार्किक मूल्यांकन के जरिए मतदाता सूची में 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए थे। 2024 के बाद 18 वर्ष पूरे कर चुके युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए थे। इसके अलावा फॉर्म 7 के माध्यम से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक मतदाताओं और ऐसे लोगों के नाम काटे जा रहे थे जो एक पार्टी विशेष को मतदान नहीं करते थे। इस काम में बड़ी संख्या में पत्रा

प्रमुख जो एक राष्ट्रीय दल द्वारा बनाए गए थे उनकी ओर चुनाव आयोग की भूमिका अब खुलकर सामने आ गई है, जिसके कारण मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एक नई मुसीबत में आ गए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज से मिलकर केंद्रीय चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से सॉफ्टवेयर में परिवर्तन किया। बीएलओ और क्षेत्रीय चुनाव अधिकारियों के अधिकार कायूटर को देकर मतदाताओं के साथ बहुत बड़ी धोखाधड़ी की गई है। इसके साथ ही चुनाव के दौरान फॉर्म नंबर 7 की सहायता से करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। हर राज्य में लाखों मतदाताओं के नाम भाजपा के पन्ना प्रमुखों के जरिये काटने का खेल पिछले दो साल से चल रहा है। इसका

खुलासा राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र की मतदाता सूची में किए गए गड़बड़ घोटाले के मामले को पत्रकार वार्ता के जरिए सामने लाया था। उन्होंने इसके सबूत भी दिए थे, लेकिन उस समय चुनाव आयोग और सरकार ने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब न देकर उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था। उसके बाद यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है। केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह भी नहीं ले रहे थे। चुनाव आयोग में मनमानी नियुक्ति कर रहे थे तथा चुनाव आयोग के पोर्टल में मनमर्जी से वो बदलाव कर चुनाव को

प्रभावित कर रहे थे। वह मामला अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद तूल पकड़ गया है। सारे देश में आंदोलन चढ़ गया है। सारे विपक्षी दल अब सड़कों पर आ गए हैं। जिसके कारण अब हर मामला सबूतों के साथ खुलकर सामने आ गया है। अब इसको छिपा पाना चुनाव आयोग के लिए संभव नहीं दिख रहा है।

जिस तरह से चुनाव आयोग के साथ-साथ न्यायपालिका के ऊपर सीधे आरोप लगा शुरु हो गए हैं, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के ऊपर अधिवक्ता समुदाय खुद सबूतों के साथ आरोप लगा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता भी प्रदर्शन करने सुप्रीम कोर्ट के बाहर खड़े हो रहे हैं, जो अधिवक्ता अभी तक मुखर होकर अपनी बात नहीं कर पा रहे थे उन्हें अपनी प्रिविटस

का डर था लेकिन अब वह भी खुलकर सड़कों पर उतर रहे हैं, जिसके कारण चुनाव आयोग और सरकार की मुसीबतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही हैं। 2 अक्टूबर से जिस तरह का प्रदर्शन आज देश भर में देखने को मिल रहा है, सारे देश के विपक्षी दल और कॉंक्रोच जनता पार्टी के आह्वान पर आंदोलन शुरु हो गए हैं। उसको देखते हुए अब नहीं लगता है कि सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट से चुनाव आयोग को कोई संरक्षण मिल पाएगा।

ऐसी स्थिति में फार्म 7 की धांधली सामने आने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री द्वारा अनशन और धरना देने से सबूतों के साथ शिकायत करने पर केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचा पाना अब शायद न्यायपालिका के लिए भी संभव नहीं होगा।

आगे किस तरह के हालात बनेंगे कहना मुश्किल है। जो अधिकार संसद के पास थे, उन अधिकारों का उपयोग केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने किया है। जो मनमानी की थी वह अब दस्तावेजी सबूत के रूप में सामने है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय चुनाव आयोग में एक बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। सरकार ने जिस तरह से चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की थी, वह विवाद भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

आगे क्या होगा इसको लेकर अब तरह-तरह की आशंकाओं के कयास लगना शुरू हो गए हैं। इतना तय है कि अब इस मामले में कठोर कार्रवाई न्यायपालिका और सरकार दोनों को ही करना होगी अन्यथा इस मामले को शांत कर पाना संभव नहीं होगा।

चुनाव आयोग में प्याज की तरह परत दर परत खुलासा



कमांड क्षेत्रों में दो फसल या आंशिक क्षेत्रों में तीन फसली कार्यक्रम के चलते आमतौर पर गेहूं की बुआई पिछड़ जाती है। पिछले 3 वर्षों से मानसून का मिजाज कुछ इस तरह बदला की खरीफ की प्रमुख फसल सोयाबीन की बुआई जुलाई की सीमा पारकर गई और उसकी कटाई में विलम्ब होने के कारण भूमि में नमी भी अपर्याप्त रह गई फलस्वरूप गेहूं की विलम्ब से बुआई करने की मजबूरी चुनौती बनकर उभरी, कपास, मिर्च, गन्ना काटने के बाद भी यही समस्या सामने रहती है।



इस तरह गेहूं की पिछेती बुआई का रकबा सितंबर तक बढ़ता ही जा रहा है। उत्पादन में आंशिक फर्क ही आ पाये इस लिये पिछली गेहूं की बुआई तकनीकी का प्रादुर्भाव हुआ जिसे कृषकों को अंगीकरण करना आज की आवश्यकता बन गई है।

बुवाई का उपयुक्त समय

25 दिसम्बर तक

किस्मों का चुनाव

पिछेती गेहूं के लिये गेहूं की किस्मों का

रबी में लगायें गेहूं



चयन करते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए। पिछेती बुवाई के लिये उन किस्मों को बोना चाहिये जो कम समय में पकने वाली हों क्योंकि देरी से बुवाई करने पर पकते समय तापक्रम अधिक होने से पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः कम समय में पकने वाली किस्मों को बोने से स्थानीय तापक्रम बढ़ने से पहले पकने लग जायेगी तथा इसकी पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

बीज एवं बुवाई

अधिक बीज दर रखने के कारण कतारों की दूरी कम करके 18-20 सेंटीमीटर रखना लाभदायक रहता है। पौधों के बीच की दूरी 6 से 8 सेंटीमीटर तक रखी जाती है। परीक्षणों से ये ज्ञात हुआ है कि गेहूं की प्रचलित विधियों की अपेक्षा क्रॉस (आर-पार) बुवाई से उत्पादन में 4.5 किं./हेक्टे. वृद्धि हो जाती है। इस विधि को

अपनाने पर पौधों के बीच की प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है। गेहूं की अधिक पैदावार लेने के लिये बीज की मात्रा व कतारों की दूरी इस प्रकार निर्धारित करनी चाहिए कि प्रति वर्ग मीटर 400-500 बाली युक्त पौधे प्राप्त किये जा सकें।

बुवाई 4-5 सेंटीमीटर की गहराई पर करना चाहिए।

पिछेती गेहूं में 130-200 किलो यूरिया, 250-280 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 33-40 किलो म्यूरेंट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता होती है। मिट्टी की उर्वराशक्ति तथा बोई जाने वाली किस्म की उत्पादकता तथा पिछेती गेहूं से पूर्व में ली गई फसल के अनुसार नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश की मात्रा कुछ घटाई-बढ़ाई जा सकती है। तापक्रम कम होने के कारण मृदा में उपस्थित फास्फोरस की उपलब्धता कम हो जाने के कारण गेहूं की प्रारंभिक बढ़वार कम होती है इसलिये पिछेती गेहूं की अच्छी उपज लेने के लिये फास्फोरस का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है। जस्ते की कमी वाले क्षेत्रों में, विशेषकर धान-गेहूं फसल पद्धति अपनाई जाती हो, बुवाई से पूर्व

प्रति हेक्टेयर 25 किलो जिंक सल्फेट या 10 किलो चिलेटेड जिंक नाइट्रोजन के साथ मिला कर दें।

जिन खेतों में मैंगनीज की कमी पायी जाये वहां बुवाई के समय 20 किलो मैंगनीज सल्फेट उर्वरकों के साथ ऊर कर दें। फास्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की भारी मिट्टी में आधी तथा हल्की रेतीली मिट्टी में एक तिहाई मात्रा बुवाई के समय ऊर कर दें। भारी मिट्टी के लिये शेष आधी मात्रा पहली या दूसरी सिंचाई के साथ दें। खड़ी फसल में नाइट्रोजन सामान्यतः पहली सिंचाई की अपेक्षा दूसरी सिंचाई के बाद देना लाभप्रद है।

हल्की मिट्टी में शेष बची दो तिहाई मात्रा में से एक तिहाई पहली सिंचाई तथा एक तिहाई दूसरी सिंचाई के साथ यूरिया उर्वरक के रूप में दें। पहली सिंचाई बुवाई के 25-27 दिन बाद दें। किंतु मध्य फरवरी के बाद तापमान बढ़ जाता है व बालियां निकलने के बाद से फसल पकने तक फसल को गर्म व कुछ तेज हवाओं का सामना करना पड़ता है जिससे फसल की जल मांग भी बढ़ जाती है साथ ही दूधिया अवस्था,



फूल आने की अवस्था तथा दाना सख्त होने की अवस्था सिंचाई हेतु क्रान्तिक अवस्थाएँ होती हैं। अतः इस समय भूमि में पर्याप्त नमी का होना अति आवश्यक है। अतः इस समय सिंचाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए अन्यथा दाना पतला पड़ जाता है फलस्वरूप उपज कम होने का भय रहता है। इन चारों अवस्थाओं के अतिरिक्त गेहूं की कल्लों के अच्छी तरह निकल जाने की अवस्था तथा तने में गांठें बनने की अवस्था भी सिंचाई की दृष्टि से क्रान्तिक अवस्थाएँ होती हैं। अतः इस समय भी खेत में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए। सिंचाई हल्की करना चाहिए। विशेषकर फूल आने के बाद जिससे मार्च-अप्रैल में चलने वाली गर्म व तेज हवाओं से फसल आड़ी न गिर पाये। कुल मिलाकर पिछेती गेहूं में समय से बुवाई की अपेक्षा 1-2 अधिक सिंचाईयों की आवश्यकता होती है।

बीज दर- 125 किलो/हे.

बीजोपचार



गेहूं की फसल की बुवाई के समय 20-25 डिग्री सेल्सियस तापमान होना उपयुक्त रहता है। जिससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा फसल का जमाव अधिक व जल्दी होता है। किंतु दिसम्बर-जनवरी माह में पिछेती गेहूं की बुवाई के समय तापमान घटकर 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास आ जाता है जिससे बीजों का अंकुरण धीरे होता है तथा पौधों का जमाव कम व देर से होता है। अतः बीजों का जल्दी अंकुरण प्राप्त करने, अंकुरण क्षमता बढ़ाने व कम तापमान से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए उपयुक्त बीजोपचार करना चाहिए।

परीक्षणों से पता चलता है कि 4-5 प्रतिशत पोटेसियम डाई सल्फेट या 0.1 प्रतिशत साइकोसिल या 2.5-3.0 प्रतिशत सोडियम क्लोराइड (साधारण नमक) के घोल में 18-24 घंटे डुबोकर बीज उपचार करने से न केवल बीजों के अंकुरण पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है बल्कि इससे पौधों का जमाव भी अधिक व जल्दी होता है। इसके अतिरिक्त पौधों में अधिक ठंड से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव के प्रति लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है। उपरोक्त सभी कारणों से सामान्य बीज की अपेक्षा 2-3 किं. प्रति हेक्टेयर की उपज में वृद्धि होती है।

बीज जनित रोगों से बचाव हेतु दो ग्राम पारद फुंदनाशी या थायरम या दो से ढाई ग्राम मेन्कोजेब प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित कर बुवाई के काम में लें। अनावृत कण्डुआ एवं पात कण्डुआ का प्रकोप हो वहां नियंत्रण हेतु वीटावेक्स या कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित करें।

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।



खेत की तैयारी

खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग

दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में धुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

चना फसल से बढ़ेगा उत्पादन



उन्नतशील प्रजातियाँ

बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार

देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

अन्य शरय क्रियाएं

बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें। बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।



कटाई, गहाई व उपज

परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 किं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।



किस्म

जे.जी. 315

जवाहर 218

जे.जी. 130

जे.जी. 412

जे.जी. 16

जे.जी. 11

जे.जी. 74 1 आईसीसी.10(विजय)

भारती

जे.जी. 1

जे.जी.के. 1

अफगानिस्तान में सुबह-सुबह कांपी धरती : 5.3 तीव्रता का आया भूकंप

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान में गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 रही। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 6:59 बजे आया। इसका केंद्र अफगानिस्तान में 35.981 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 68.700 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। भूकंप की गहराई जमीन से करीब 126 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। फिलहाल भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

भारत दौरे पर आएंगे नेपाल के पीएम शाह, तारीख तय नहीं

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह जल्द भारत की यात्रा कर सकते हैं। हालांकि, उनकी आधिकारिक यात्रा की तारीख अभी तय नहीं हुई है। नेपाली विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बुधवार को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर मीडिया रंग यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि दोनों देश प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा को अर्धपूर्ण और नतीजे देने वाली बनाने के पक्ष में हैं।

फ्लाईडुबई विमान चाकूबाजी : इस्राइल के नागरिक ने कैसे सीखा प्लेन चलाना? पीएम नेतन्याहू मिलने पहुंचे तो खुद बताया

येरुशलम, एजेंसी। यूएई से इस्राइल जा रही फ्लाईडुबई की उड़ान में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक पायलट पर कथित तौर पर चाकू से हमला किया गया और विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। इस दौरान यात्रियों ने हिम्मत दिखाते हुए कॉकपिट में घुसकर हमलावर को काबू किया और विमान को संभालने में मदद की। इस घटना के बाद विमान को सऊदी अरब की ओर मोड़ दिया गया, जहां उन्होंने सुरक्षित लैंडिंग की। घटना में अहम भूमिका निभाने वाले यात्री यानिव हयून ने बुधवार को तेल अवीव एयरपोर्ट पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी वीडियो में प्रधानमंत्री यानिव हयून को गले लगाते और उन्हें 'हीरो' बताते नजर आए। मुलाकात के दौरान हयून ने खून से सनी शर्ट पहनी हुई थी। हयून ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि एक पायलट पर हमला हुआ है, तो उन्होंने अन्य यात्रियों के साथ मिलकर कॉकपिट में पहुंचने की कोशिश की। घायल पायलट कॉकपिट के दरवाजे से दबा हुआ था, जिससे अंदर जाना मुश्किल हो रहा था। हयून के मुताबिक, जब वह कॉकपिट के अंदर पहुंचे तो पायलट अपनी सीटों पर नहीं थे। एक पायलट जमीन पर था, जबकि दूसरा पैलट पर था। उन्होंने बताया कि कथित हमलावर विमान के नियंत्रण से जुड़े उपकरणों के पास था और ऐसा लग रहा था कि वह विमान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। हयून ने हमलावर को पीछे से पकड़कर काबू किया और उसे कॉकपिट के नियंत्रण वाले हिस्से से दूर खींच लिया। इसके बाद उन्होंने विमान को दोबारा नियंत्रण में लाने में मदद की।

पाकिस्तानी मौलाना ने हृतियों को बताया आतंकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच तनाव अपने चरम पर है। इसी बीच एक पाकिस्तानी मौलाना के बयान ने इस युद्ध को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया। पाकिस्तानी मौलाना के मुताबिक हूती आतंकवादी हैं और उनका इस्लाम से कोई लेना-देना नहीं है। मौलाना के इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पाकिस्तान उलेमा काउंसिल के प्रमुख हाफिज मुहम्मद ताहिर अशरफ़ी सऊदी अरब में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कॉंग्रेस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हृतियों का इस्लाम से कोई लेना-देना नहीं है। अशरफ़ी ने हृतियों को आतंकवादी बताया। इसके अलावा उन्होंने सऊदी अरब की सुरक्षा को पाकिस्तान के लिए रेड लाइन बताया और कहा कि पाकिस्तान की सरकार, सेना, उलेमा और जनता सऊदी अरब के साथ खड़ी है। हाफिज मुहम्मद ताहिर अशरफ़ी ने सऊदी अरब और हृतियों के बीच चल रही जंग को लेकर कहा कि यह शिया और सुन्नी के बीच का युद्ध नहीं है और न ही यह दो देशों के बीच की जंग है। अशरफ़ी ने कॉंग्रेस में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच रक्षा समझौते की तारीफ़ करते हुए इसे तीनों देशों के लिए महत्वपूर्ण बताया।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर की एयरस्ट्राइक: दो घरों पर बरसीं मिसाइलें, नौ की मौत; महिलाएं और बच्चे भी घायल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में पाकिस्तानी सैन्य कार्रवाई को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। तालिबान के प्रवक्ता जुबैदुल्लाह मुजाहिद ने दावा किया है कि पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक में कम से कम नौ अफगान नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए गए हैं। मुजाहिद के मुताबिक, बुधवार रात अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांतों में नागरिकों के घरों को निशाना बनाया गया। हमले में तीन मकान भी तबाह होने का दावा किया गया है।

कुनार और हेलमंद में नागरिक इलाकों पर हमला : तालिबान प्रवक्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि कुनार के शुल्तान जिले के चुगाम इलाके और हेलमंद के गरमसर जिले के सफर इलाके में पाकिस्तानी विमानों ने हवाई हमले किए। उनके अनुसार, इन हमलों में नौ अफगान नागरिक मारे गए और 11 अन्य घायल हुए। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। तीन घरों के नष्ट होने की भी बात कही गई है।

हाल के दिनों में कई इलाकों में हमले : अफगानिस्तान में यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान की ओर से कई अफगान प्रांतों में हवाई हमलों की खबरें सामने आई हैं। 24 सितंबर को कंधार, पक्तिया और खोस्त में हुए पाकिस्तानी हमलों में चार नागरिकों के मारे जाने का दावा किया गया था।



इससे तीन दिन पहले कुनार और पक्तिा में हुए हमलों में तीन लोगों की मौत की बात सामने आई थी। इस तरह हाल के दिनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है।

तालिबान ने पाकिस्तान पर लगाए गंभीर आरोप : तालिबान प्रवक्ता जुबैदुल्लाह मुजाहिद ने पिछले सप्ताह पाकिस्तान पर अफगानिस्तान में हमलों के जरिए इस समझौते से बचने और खुद को अफगानिस्तान के साथ युद्ध में दिखाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने पाकिस्तान पर पड़ोसी देश की सीमा का उल्लंघन कर अपनी कथित नाकामियों से लोगों का ध्यान हटाने का आरोप भी लगाया।

तालिबान ने दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी : तालिबान प्रवक्ता ने पाकिस्तान की कार्रवाई के खिलाफ अफगानिस्तान की ओर से 'उचित जवाब' देने की चेतावनी भी दी है। उन्होंने पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई को दबाव बनाने की कोशिश बताया। फिलहाल दोनों देशों के बीच

और तूकिये के बीच हुए रक्षा समझौते की जिज्ञा किया। तीनों देशों ने 7 अगस्त को मक्का में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत किसी एक सदस्य देश पर सशस्त्र हमला होने की स्थिति में उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। मुजाहिद ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमलों के जरिए इस समझौते से बचने और खुद को अफगानिस्तान के साथ युद्ध में दिखाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने पाकिस्तान पर पड़ोसी देश की सीमा का उल्लंघन कर अपनी कथित नाकामियों से लोगों का ध्यान हटाने का आरोप भी लगाया।

तालिबान ने दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी : तालिबान प्रवक्ता ने पाकिस्तान की कार्रवाई के खिलाफ अफगानिस्तान की ओर से 'उचित जवाब' देने की चेतावनी भी दी है। उन्होंने पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई को दबाव बनाने की कोशिश बताया। फिलहाल दोनों देशों के बीच

बढ़ते तनाव के बीच नागरिक इलाकों पर हमलों को लेकर स्थिति पर नजर बनी हुई है। पाकिस्तान का दावा-आतंकी ठिकानों पर हमला किया, 22 लड़के मरे पाकिस्तान का दावा है कि गुरुवार को उसने दो जगहों पर आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया। इसमें कम से कम 22 लड़कें मारे गए। हालांकि जबोहुल्लाह मुजाहिद ने हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने गलत उल्लंघन है और इसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। अफगानिस्तान ने कहा- पाकिस्तान सब का इम्तहान न ले पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तालिबान सरकार के मंत्री नूरुल्लाह नूरी ने पाकिस्तान को अफगानों के सब्र का इम्तिहान न लेने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अफगानिस्तान का इतिहास याद रखना चाहिए, जहां सोवियत संघ और अमेरिका जैसी बड़ी ताकतें भी युद्ध के बाद सफल नहीं हो सकीं। पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव बढ़ा पाकिस्तान का कहना है कि हाल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के लड़कों ने अफगानिस्तान के पक्तिया और नंगरहार प्रांतों से पाकिस्तान में घुसपैठ की कोशिश की। इसके बाद सीमा पर दोनों पक्षों के बीच गोलाबारी हुई। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान से ड्रोन भी भेजे गए, जबकि तालिबान सरकार ने इन आरोपों से इनकार किया।

एलन मस्क संभालेंगे अमेरिका की भविष्य की जंग का मोर्चा: पेंटागन ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

क्वाटिको, एजेंसी। अमेरिका ने भविष्य के युद्ध की बदलती तकनीक और सैन्य जरूरतों का आकलन करने के लिए नई पहल शुरू की है। इसमें टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क, रक्षा तकनीक कंपनी एंड्यूरिल के सह-संस्थापक पामर लकी और अमेरिका के पूर्व हाउस स्पीकर न्यूट गिंगरिच को अहम जिम्मेदारी दी गई है। सीएनबीसी का रिपोर्ट के मुताबिक 'प्रोजेक्ट मेरिडियन' के तहत अगले 120 दिनों में यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि आने वाले पैंल वर्ष और दशकों में अमेरिकी सेना को किन हथियारों, तकनीकों और सैन्य क्षमताओं की जरूरत होगी।

धरती के नीचे से चंद्रमा के आगे तक युद्धक्षेत्र : अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने वर्जीनिया के क्वाटिको के स्थित मरीन कॉर्प्स बेस में स्ट्रेट ऑफ द फोर्स संबोधन के दौरान इस पहल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि परियोजना का उद्देश्य नई रणनीति या नीतियां तैयार करना नहीं, बल्कि उन क्षेत्रों की पहचान करना है जिन पर अमेरिका को नियंत्रण स्थापित करना

होगा और उन सैन्य क्षमताओं को विकसित करना होगा जिनमें उसे महारत हासिल करनी होगी।हेगसेथ के मुताबिक, परियोजना के तहत ऐसे हथियारों और सैन्य प्रणालियों की पहचान, विकास और तैनाती पर ध्यान दिया जाएगा, जिनकी भविष्य के अमेरिकी सैनिकों को जरूरत पड़ सकती है। संभावित युद्धक्षेत्र धरती के नीचे से लेकर चंद्रमा से आगे तक हो सकते हैं। पेंटागन के तकनीकी प्रमुख एमिल माइकल इस परियोजना की निगरानी करेंगे। मस्क, पामर लकी और न्यूट गिंगरिच इसके सह-प्रमुख होंगे।

इनके साथ सरकार, उद्योग, अकादमिक क्षेत्र और नीति विशेषज्ञों की टीम भी काम करेगी।इस पहल में मस्क और लकी की भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उनकी कंपनियां पहले से अमेरिकी रक्षा विभाग के साथ बड़े कारोबार में शामिल हैं।स्पेसएक्स को मई में अमेरिकी स्पेस फोर्स ने हवाई खतरों की निगरानी और उन्हें निशाना बनाने में सक्षम उपग्रहों के निर्माण के लिए 4.16 अरब डॉलर का अनुबंध दिया था।

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंजी बर्नहम ने बुधवार को कहा कि ब्रिटेन का मानना है कि दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक गांव में रॉयल एयर फोर्स के अड्डे के पास हुई घटना में ईरान की भूमिका थी। इस घटना की जांच देश की आतंकवाद रोधी पुलिस कर रही है। रविवार को पांच ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। सभी की उम्र 20 साल के आसपास है। पुलिस को विलफोर्ड गांव में एक सूचना मिली थी। यह गांव रॉयल एयर फोर्स के फेयरफोर्ड अड्डे के पास है। सूचना मिलने के बाद पुलिस वहां पहुंची थी। इसके बाद पांचों लोगों को गिरफ्तार किया गया। बाद में सभी को जमानत पर छोड़ दिया गया।

बर्नहम ने क्या बताया : इस अड्डे पर बड़ी संख्या में अमेरिकी वायुसेना के जवान और अभियान मौजूद हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सदियों की जमानत



दिए जाने पर सवाल उठाया है। बर्नहम ने पत्रकारों से कहा, इस बात के मजबूत संकेत हैं कि ईरान की इसमें भूमिका थी। फिर भी यह पुलिस को एक जटिल और बेहद गंभीर जांच है। इसलिए इस समय मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। उन्होंने बताया कि उन्होंने सोमवार को कैबिनेट कार्यालय में आपात बैठक की अध्यक्षता की थी। इसे कोबरा बैठक कहा जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार इस बात की पुष्टि

ईरान हार मान लेगा, डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा, होर्मुज को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति और ईरान में जुबानी जंग तेज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान हार मान लेगा और दावा किया कि अमेरिका ने पिछले कुछ दिनों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक तेल निकाला है। उन्होंने यह बयान मंगलवार को अमेरिकी टेक जगत के दिग्गजों के साथ एक लंच मीटिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए दिया। ट्रंप ने इस दौरान मीटिंग के दौरान एक संघीय आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए अटीफिशियल इंटेलिजेन्स से जुड़ा एक अहम बदलाव करने की घोषणा की। ट्रंप ने अमेरिका में आधिकारिक तौर पर अटीफिशियल इंटेलिजेन्स का नाम बदलकर सुपर इंटेलिजेन्स कर दिया है। अब अमेरिका के सरकारी दस्तावेजों में अटीफिशियल इंटेलिजेन्स को आधिकारिक तौर पर सुपर इंटेलिजेन्स बोला और लिखा जाएगा।

ईरान हार मान लेगा: डोनाल्ड ट्रंप : टेक दिग्गजों के साथ मीटिंग के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया से ईरान युद्ध को लेकर बात करते हुए कहा कि, वे हार मान लेंगे हमने पिछले कुछ दिनों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक तेल निकाला है, ट्रंप ने कहा। इस बीच, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर अमेरिका और अन्य देशों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान की सुरक्षा सुनिश्चित

नहीं की गई, तो कोई भी बुनियादी ढांचा सुरक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने यह बयान एक सार्वजनिक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया। जिसमें ऑफ होर्मुज और उससे जहाजों के गुजरने के बारे में जो बयानबाजी किया है, वह पहले किए गए दावों का दोहराव है, और इन भ्रामक दावों की सच्चाई सभी को पता है। उन्होंने आगे कहा, अमेरिकियों और अन्य देशों दोनों को यह पता होना चाहिए। जैसा कि हमने पहले कहा था, जिस क्षेत्र में हम तेल नहीं बेचते हैं, वहां कोई भी तेल नहीं बेचेगा, और यदि हमारी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती है, तो कोई भी बुनियादी ढांचा सुरक्षित नहीं रहेगा।

ईरान से प्रतिबंध हटाने को तैयार है अमेरिका : इसी बीच एक अमेरिकी अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अंतिम समझौते के हिस्से के रूप में ईरान को प्रतिबंधों में राहत देने और जमे हुए धन को जारी करने के लिए तैयार हैं , लेकिन केवल तभी जब तेहरान परमाणु मुद्दे पर ठोस प्रगति की पेशकश करे, क्योंकि मध्यस्थ दोनों देशों को बातचीत की मेज पर वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं।

ब्रिटिश पीएम का दावा: ‘वायुसेना अड्डे के पास सद्विग्ध आतंकी घटना में ईरान की भूमिका’, जांच में क्या मिला ?

बावजूद गिरफ्तार किए गए पांच लोगों को जमानत क्यों दी गई। इस पर उन्होंने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि रिहा किए जाने का मतलब वैसा नहीं है, जैसा आम तौर पर समझा जाता है। उन्होंने कहा कि इन लोगों को जमानत की बेहद कड़ी शर्तों के साथ छोड़ा गया है। उन्होंने आगे कहा कि अधिकारी मामले पर पूरी तरह नजर रख रहे हैं। उनके पास इस पर कड़ा नियंत्रण है। उन्होंने लोगों को इसका भरोसा भी दिलाया। इस बीच, 'द टाइम्स' ने खबर दी कि गिरफ्तार किए गए पांच सद्विग्धों में से एक ने घटना से करीब एक घंटे पहले खुद अधिकारियों से संपर्क किया था। ब्रिटेन की आतंकवाद रोधी पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। मंगलवार को पुलिस ने कहा कि अड्डे के पास रोकी गई गाड़ियों में कोई विस्फोटक उपकरण नहीं मिला। हालांकि, पुलिस को गाड़ियों से कुछ मात्रा में पेट्रोल मिला है।

मेयर से पीएम पद तक का शानदार सफर... मोरक्को में इतिहास रचने वाली हैं फातिमा मंसूरी ?

रबात , एजेंसी। मोरक्को के शाही महल ने देश के नए प्रधानमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा की है। राजा मोहम्मद 6 ने फातिमा एज्जाहरा अल मंसूरी को सरकार का नया प्रमुख नियुक्त किया है। 23 सितंबर के संसदीय चुनावों के छह दिन बाद 29 सितंबर को यह ऐतिहासिक फैसला आया। अल मंसूरी की पार्टी पीएएम चुनाव में 97 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। वे मोरक्को की पहली और पूरे अरब जगत की दूसरी महिला प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रच चुकी हैं। पेशे से वकील और पूर्व मंत्री अल मंसूरी अब नई गठबंधन सरकार बनाने की नौबत में जुटी हैं।

चुनावी नतीजे और बहुमत के लिए गठबंधन सरकार की चुनौती मोरक्को की 395 सीटें वाली संसद हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 23 सितंबर को मतदान हुआ था। चुनाव नतीजों में अल मंसूरी की पार्टी पीएएम ने 97 सीटें जीतकर पहला स्थान पाया। नेशनल रैली ऑफ इंडिपेंडेंस 66 सीटों से दूसरे और इस्तिकलाल पार्टी 65 सीटों से तीसरे स्थान पर रही। वहीं जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी ने चुनाव में 54 सीटें हासिल कीं। संसद में स्पष्ट बहुमत का आंकड़ा 198 सीटों का है, जिससे पीएएम पार्टी अभी काफी दूर है। इसलिए फातिमा अल मंसूरी को सरकार बनाने के लिए दूसरी सहयोगी पार्टियों से गठबंधन करना होगा। अजीज अखन्नौच की पार्टी RNI और इस्तिकलाल पार्टी से गठबंधन की



जीवन, कानून की पढ़ाई और माराकेश की पहली महिला मेयर 50 वर्षीय फातिमा एज्जाहरा अल मंसूरी का जन्म एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार में हुआ था। उनके पिता अब्दर्रहमान अल मंसूरी संयुक्त अरब एमिरात में मोरक्को के राजदूत थे। अल मंसूरी ने फ्रांस की मॉंटपेलियर यूनिवर्सिटी से कानून में एडवोकेट डिप्लोमा किया। इसके बाद उन्होंने अमेरिका की न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से बिजनेस लॉ में डिप्लोमा हासिल किया। कानूनी शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने वकालत से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2008 में जब ऑर्थोडॉक्सिटी एंड मॉडर्निटी पार्टी बनी तो वे इसकी संस्थापक सदस्य बनीं। वर्ष 2009 में वे 35 साल की उम्र में माराकेश शहर की पहली महिला मेयर चुनी गईं। वर्ष 2021 में वे दोबारा माराकेश की मेयर बनीं और फिर राष्ट्रीय सरकार में आवास मंत्री बनीं। नई सरकार के सामने 2030 फीफा वर्ल्ड कप और आर्थिक विकास की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री के रूप में अल मंसूरी के सामने कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां हैं। मोरक्को वर्ष 2030 में स्पेन और पुर्तगाल के साथ फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी करने का दावा कर रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय पायलट कैप्टन रिमत मच्छार को बताया ‘हीरो’

गोंगिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्लाईडुबई के भारतीय पायलट र्ण्टन रिमत मच्छार को 'हीरो' लाया है। ट्रंप ने उस घटना के ारे में बताया, जिसमें इजरायल ा रही एक उड़ान के दौरान गति तौर पर को-पायलट ने र्ण्टन मच्छार को चाकू मार दिया ा। गंभीर रूप से घायल होने के ावजूद वह कॉकपिट का र्वाजा खोलने में कामयाब रहे। प ने कहा कि उन्होंने इस घटना ने लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री ामिनि नेतन्याहू से काफी देर

पुष्टि नहीं हुई है। व्हाइट हाउस में फ्लाईडुबई के विमान के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक अविश्वसनीय कहानी है। लेकिन, मैंने इस घटना के बारे में नेतन्याहू से काफी देर तक बात की। ' ट्रंप के मुताबिक, उन्हें बताया गया कि 'को-पायलट शायद आतंकवादी था या शायद सनकी था और उसने पायलट को चाकू मार दिया। उन्होंने कहा, 'पायलट की हालत बहुत खराब थी और मुझे लगता है कि अब भी काफी खराब है। लेकिन, गंभीर हालत में



पहुंचा। उस समय विमान बहुत तेजी से नीचे की ओर जा रहा था। उन्होंने दावा किया, 'विमान अविश्वसनीय रूप से तेज कोण पर नीचे जा रहा था। वह इतना तेज था कि विमान के पिछले हिस्से का खंड टूट गया। विमान इतनी रफ्तार के लिए बना ही नहीं था। ट्रंप के मुताबिक, उस यात्री ने कथित हमलावर को सीट से खींचकर हटाया, जिसके बाद दूसरे यात्रियों ने उसे काबू कर लिया। ट्रंप ने कहा कि उस यात्री ने पहले कभी विमान नहीं उड़ाया था, इसके बावजूद उसने कंट्रोल

जानकारी देने के तुरंत बाद ट्रंप ने साफ किया कि वह इसकी सच्चाई की पुष्टि नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि अब, यही कहानी मैंने सुनी है। मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं, लेकिन यही कहानी मुझे नेतन्याहू से मिली है। ट्रंप ने बताया कि उस यात्री ने बाद में कहा कि वह टीवी कार्यक्रम 'एयर डिजास्टरर्स' देखा था और उसी से उसने विमानों के बारे में कुछ जानकारी हासिल की थी। वह उस शो को देखकर एक तरह से विमान उड़ाना सीख गया था। मेरा

कर्मचारी कॉकपिट में पहुंचे और विमान का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। मुझे लगता है कि यह सबसे ह्रासन करने वाली कहानी है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या को-पायलट विमान को दुर्घटनाग्रस्त करना चाहता था, तो उन्होंने फिर साफ किया कि उसके मकसद के बारे में अभी पक्की जानकारी नहीं है। फ्लाईडुबई की यह उड़ान बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही थी, जब कॉकपिट में हिंसक घटना हुई। इसके बाद विमान को सऊदी अरब के

तिहाड़ जेल में गैंगस्टरों का हंगामा, बाली और दिल्ली ने अधिकारियों से की हाथापाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की तिहाड़ जेल के उच्च सुरक्षा वार्ड में बंद कुख्यात गैंगस्टर नवीन बाली और सदीप उर्फ दिल्ली ने जेल प्रशासन के खिलाफ बड़ा हंगामा किया है। सितंबर के आखिरी हफ्ते में हुई घटना के दौरान दोनों कैदियों ने न केवल जेल अधिकारियों के साथ हाथापाई की, बल्कि उन्हें जान से मारने की गंभीर धमकियां भी दीं। इस हाई-प्रोफाइल घटना से जेल परिसर में अफरा-तफरा मच गई। घटना की शुरुआत तब हुई जब दिल्ली ई-मुलाकात के जरिए अपने परिवार के सदस्यों से बात कर रहा था। बातचीत के दौरान वह अचानक अत्यधिक आक्रामक हो गया और जेल कर्मचारियों को गालियां देने लगा। विरोध करने पर उसने कर्मचारियों पर हमला करने का प्रयास किया और दहशत का माहौल पैदा किया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब उसने अपना सिर दरवाजा, दीवारों और एक कुलर पर पटक-पटककर खुद को घायल करने की कोशिश की। जेल कर्मियों को अंदेशा हुआ कि दिल्ली नशे की हालत में हैं, जिसके बाद उसका यूरिन टेस्ट कराया गया। कर्मचारियों ने तुरंत सुझबुझ दिखाकर हस्तक्षेप किया और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए परिवार से बातचीत पूरी करवाई। बातचीत खत्म होने के बाद जब उसे अपने ब्लॉक में लौटने के निर्देश दिए गए, तो उसने और उसके साथी नवीन बाली ने मिनकर वार्ड अधिकारियों व जेल अधीक्षकों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। दोनों गैंगस्टरों की इस हरकत को जेल प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर माना है। अधिकारियों ने कैदियों के इस अनुशासनहीन, आक्रामक आचरण और खुद को घोट पहुंचाने की कोशिश के पीछे की पूरी परिस्थितियों की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। जेल के भीतर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया गया है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

भुवनेश्वर बम विस्फोट मामले में एनआईए ने दाखिल की चार्जशीट, दो आरोपी नामजद

भुवनेश्वर (एजेंसी)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जनवरी में भुवनेश्वर के सुंदरपाड़ा इलाके में हुए बम विस्फोट मामले में दो आरोपियों के खिलाफ विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। एजेंसी ने बताया कि दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय सहिता (बीएनएस) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। इस विस्फोट में 2 लोगों की मौत हुई थी और एक इमारत को नुकसान पहुंचा था। एनआईए के अनुसार, घटना 27 जनवरी को न्यू आजादनगर में हुई थी। दोपहर करीब 2-45 बजे चार लोग कथित तौर पर विस्फोटक तैयार कर रहे थे, तभी अचानक धमाका हो गया। घटना में वारों घायल हुए थे, जिसमें से बाद में दो की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सहनवाज मलिक और उसकी मां लिजातुन बीबी के रूप में हुई है। मलिक की चार फरररी और उसकी मां की 10 फरररी को मौत हुई थी। आरोपपत्र में सानु उर्फ रोहन रंजन राउत और अमिया रंजन मल्लिक को आरोपी बनाया गया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि आरोपी अवैध तरीके से विस्फोटक सामग्री हासिल करने की साजिश में शामिल थे और बम तैयार करने के दौरान विस्फोट हुआ। एनआईए ने चार अप्रैल को मामले की जांच अपने हाथ में लेकर प्राथमिकी दोबारा दर्ज की थी। राउत को 18 जुलाई को गिरफ्तार किया गया, जबकि अमिया रंजन मल्लिक को उड़ीसा उच्च न्यायालय से गिरफ्तारी पर अंतरिम संरक्षण मिला था। एजेंसी ने जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर दोनों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

बीजेपी नेता की हत्या की खौफनाक साजिश, पत्नी सहित 6 गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के लोकल नेता की हत्या की एक खौफनाक साजिश का खुलासा किया है। इस सनसनीखेज मामले में नेता की पत्नी सहित कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह खुलासा तब हुआ जब पुलिस नेता की जली हुई बाइक की जांच कर रही थी। मामले की शुरुआत 13 सितंबर को हुई, जब बीजेपी मंडल अध्यक्ष मुनिराजू की बाइक को अज्ञात लोगों ने आग लगा दी। मुनिराजू की शिकायत के बाद पुलिस ने पहले इस संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का सामान्य मामला माना। शुरुआती जांच में राजनीतिक विवाद या विनायक चतुर्थी के पलवेष विवाद जैसे कोणों पर जांच की गई। हालांकि, कोई ठोस सबूत न मिलने पर जांचकर्ताओं ने दिशा बदलते हुए इलाके के सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल डेटा/लोकेशन खंगालना शुरू किया। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने बाइक जलाने में शामिल पांच सदस्यों साई, उदय किरण, लीला कृष्णा, पृथ्वीराज और हरीश की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने कबूल किया कि यह केवल बाइक जलाने का मामला नहीं, बल्कि मुनिराजू की हत्या की एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। चौकाने वाले खुलासे में, बीजेपी नेता मुनिराजू की पत्नी प्रशांती को पूरी साजिश का मुख्य सूत्रधार पाया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रशांती अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। सोशल मीडिया चैट और डिजिटल फॉरेंसिक रिकॉर्ड से पुष्टि हुई कि प्रशांती मुख्य आरोपी साई के साथ लगातार संपर्क में थी। वह साई के साथ अपने पति की हर छोटी-बड़ी जानकारी और मूवमेंट साझा करती थी और उनकी हत्या के लिए कई बार योजनाएं बनाई गई थीं।

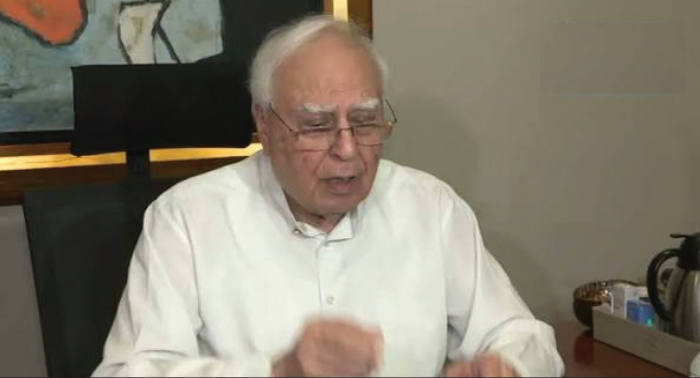
वन नेशन-वन इलेक्शन पर कपिल सिब्बल के गंभीर सवाल

– संसदीय समिति के सुप्रीम कोर्ट से प्रस्तावित संवाद को बताया असंवैधानिक

नई दिल्ली , एजेंसी।

‘वन नेशन, वन इलेक्शन’ को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार और संयुक्त संसदीय समिति पर गंभीर संवैधानिक सवाल उठाए हैं। सिब्बल ने प्रस्तावित उस कार्यक्रम पर आपत्ति जताई, जिसमें वन नेशन-वन इलेक्शन से जुड़े विधेयकों पर संसदीय समिति की सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों के साथ अनौपचारिक चर्चा प्रस्तावित थी।

सिब्बल का कहना है कि संसद कानून बनाती है और कानून की संवैधानिक वैधता पर फैसला न्यायपालिका करती है। ऐसे में किसी प्रस्तावित कानून को संसद में अंतिम रूप दिए जाने से पहले उसी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के सामने उसकी व्याख्या या चर्चा करना, भविष्य में शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत पर



गंभीर सवाल खड़े कर सकता है। उन्होंने इसे भारतीय संवैधानिक इतिहास में असाधारण कदम बताते हुए कहा कि ऐसा उदाहरण उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। उनका तर्क है कि ‘वन नेशन, वन इलेक्शन’

से जुड़े संविधान संशोधन भविष्य में न्यायिक चुनौती का विषय बन सकते हैं। ऐसी स्थिति में यदि संबंधित न्यायाधीश पहले ही विधेयक पर अनौपचारिक चर्चा कर चुके हों तो न्यायिक निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ

सकते हैं। सिब्बल ने इसे संविधान की मूल भावना और न्यायपालिका की स्वतंत्रता से जोड़ते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज की। विवाद बढ़ने के बाद सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने संसदीय समिति के साथ प्रस्तावित बातचीत से दूरी बना ली। रिपोर्टों के अनुसार न्यायपालिका ने संकेत दिया कि विधेयक भविष्य में न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ सकता है, इसलिए ऐसी बातचीत उचित नहीं होगी। इसके बाद समिति का 6 अक्टूबर का प्रस्तावित सुप्रीम कोर्ट दौरा भी स्थगित/रद्द कर दिया गया।

‘वन नेशन, वन इलेक्शन’ के प्रस्ताव का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ करना है। इसके लिए संविधान में महत्वपूर्ण संशोधन प्रस्तावित हैं, जिन पर संसद में व्यापक राजनीतिक और संवैधानिक बहस जारी है।

सीएम विजय बने कंडेक्टर, यात्रा कर रही महिला के खुद काटे मुफ्त टिकट

चेन्नई , एजेंसी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने राज्य भर में महिलाओं और ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए मुफ्त बस यात्रा का विस्तार कर वेद्री पयनम तोट्टम योजना के नए चरण का शुभारंभ किया। गांधी जयंती के मौके पर चेन्नई में योजना की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री विजय ने खुद बस से यात्रा की और यात्रियों के लिए मुफ्त टिकट भी काटे। इस दौरान बस में सफर कर रहे कॉलेज छात्रों ने मुख्यमंत्री के साथ डेयरी मिल्क चॉकलेट सझा की, जिससे एक सुखद माहौल बन गया। इस विस्तार के तहत, अब महिलाएं और ट्रांसजेंडर समुदाय राज्य परिवहन निगमों (एसटीसी) द्वारा संचालित 12,695 बसों में मुफ्त यात्रा कर सकती हैं। इसमें एक्सप्रेस, डीलक्स और चुनिंदा पहाड़ी क्षेत्रों की सेवाएं भी शामिल की गई हैं, जो पहले केवल कुछ सीमित श्रेणी की संधारण बसों तक ही सीमित थीं। राज्य सरकार के अनुसार, इस योजना से प्रतिदिन करीब 84.32 लाख महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। इस सुविधा के लिए कोई



आय सीमा तय नहीं की गई है और एक दिन में यात्राओं की संख्या पर भी कोई प्रतिबंध नहीं है। वेद्री पयनम नाम सत्ताधारी दल तमिलनाडु वेद्री कथमम (टीवीके) से प्रेरित है, जिसका अर्थ विजयी यात्रा है।

राज्य के परिवहन मंत्री ए.विजय तमिलन पार्थिवन ने इस पहल का मुख्य उद्देश्य बताया कि यह सुनिश्चित करना है कि परिवहन लागत महिलाओं और ट्रांसजेंडरों की शिक्षा, रोजगार, आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण के रास्ते में बाधा न बने। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम समानता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए उठया गया है कि यात्रा के अधिकारों में कोई भेदभाव न हो।

दीदी के खाते में पैसे डालते थे मंत्री, उसे रॉयल्टी बोलते थे

दुर्गा पूजा कथित घोटाले में ईडी का बड़ा दावा

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा से जुड़े एक कथित घोटाले की जांच कर रहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बड़ा दावा किया है। जांच एजेंसी का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खाते में रॉयल्टी के तौर पर रकम डाली गई थी। यह मामला राज्य के पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन से जुड़ा है, जिन पर 85 करोड़ रुपये के टेंडर अपने करीबियों को दिलाने और रकम के हेरफेर का आरोप है। ईडी ने हाल ही में इंद्रनील सेन के ठिकानों पर छापेमारी की थी और बाद में उन्हें पूछताछ के लिए भी बुलाया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईडी का दावा है कि मंत्री रहते हुए इंद्रनील सेन ने 85 करोड़ रुपये के टेंडर अपने करीबी धुवज्योति बसु और दीपेश राय को दिलाए थे। आरोप है कि बाद में यह रकम सेन के कई रिश्तेदारों की कंपनियों में भेजी गई। ईडी ने यह भी कहा है कि मंत्री रहने के दौरान सेन की अपनी कंपनी में 3.8 करोड़ रुपये जमा किए गए थे। जांच एजेंसी का दावा है कि इंद्रनील सेन की कंपनी ऑक्टेट



रिकॉर्ड्स के बैंक खाते से लगभग 30 लाख रुपये बैंकिंग माध्यम के जरिए तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हस्तांतरित किए गए थे। इंद्रनील सेन ने इस राशि को रॉयल्टी के रूप में भुगतान किए जाने का दावा किया है। हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में इस विशेष लेनदेन को लेकर किसी आपराधिक कृत्य का आरोप नहीं लगाया है। इस केस के केंद्र में मासआर्ट सोसाइटी भी है, जिसकी शुरुआत सेन की पत्नी मधुचंदा ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर की थी। आरोप हैं कि साल 2022 से 2025 तक, तीन सालों के दौरान दुर्गा पूजा के नाम पर लोगों से वसूली की गई। इसके लिए सोसाइटी को यूनेस्को से जुड़ा

और अधिकृत पार्टनर के तौर पर पेश किया गया था। जांच एजेंसी ने बताया कि मासआर्ट के जरिए कोलकाता के 24 दुर्गा पूजा पंडालों में आयोजित प्रीव्यू शो के लिए आम लोगों को 1,749 रुपये से 5,499 रुपये तक के टिकट बेचे गए। आरोप है कि इस दौरान यूनेस्को के नाम का गलत इस्तेमाल किया गया और अनाधिकृत रूप से अपने सोसाइटी के साथ नाम जोड़ा गया। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम पहली बार सामने आया है। हालांकि, उनके खिलाफ किसी आपराधिक मामले में सीधे तौर पर जांच या मामला दर्ज नहीं है। हालांकि, उनके खिलाफ किसी आपराधिक मामले में सीधे तौर पर जांच या मामला दर्ज होने की बात नहीं कही गई है, बल्कि उनका नाम महज एक लेनदेन के संदर्भ में आया है। सितंबर के अंत में ईडी ने सेन से जुड़े कई ठिकानों पर दबिश दी थी, जिसकी जांच 15 घंटे से अधिक समय तक चली। इसके बाद सेन को पूछताछ के लिए भी बुलाया गया था। वहीं, ममता गुट ने इन जांचों को पक्षपातपूर्ण बताते हुए आरोप लगाया है कि 98 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ दर्ज किए गए हैं।

काँकरोच के प्रदर्शन पर सीएम फडणवीस का हमला: फेक नैरेटिव का पर्दाफाश हो चुका है

मुंबई , एजेंसी।

मुंबई में कांकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ किए प्रदर्शन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने प्रदर्शन को फेक नैरेटिव फैलाने का विफल प्रयास बताकर स्पष्ट किया कि इसका पर्दाफाश हो चुका है। सीएम फडणवीस ने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्तों की प्रेसवार्ता के बाद ही यह फेक नैरेटिव उजागर हो चुका है और इस आगे बढ़ने के प्रयास सफल नहीं होगा। सीईसी कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के

मदेनजर मुंबई के शिवाजी पार्क के आसपास शुक्रवार को बड़ी संख्या की सुरक्षाकर्मियों तैनात किए गए थे। पुलिस द्वारा प्रदर्शन की इजाजत न दिए जाने के बावजूद, सीजेपी ने इसके आयोजन का आह्वान किया था। पुलिस और अन्य एजेंसियां मध्य मुंबई में दादर स्टेशन और शिवाजी पार्क के आसपास मुस्तैद रहीं, और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए रणनीतिक स्थानों पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। शिवाजी पार्क की ओर जाने वाले प्रमुख रास्तों पर बैरिकेड लगाए गए थे। इस बीच, इलाके के निवासियों ने अपने को लेकर सीजेपी के विरोध-प्रदर्शनों के

के आयोजन का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे उनके इलाके की शांति और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। सीजेपी के संयोजक अभिजित दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश को देशद्रोही करार देकर उनके तत्काल इस्तीफे और उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग दोहराई। उन्होंने अगाह किया कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तब देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू किए जाएंगे, जिसकी शुरुआत अक्टूबर के अंत से दिल्ली के जंतर-मंतर पर होगी। दीपके ने स्पष्ट किया कि सीजेपी 6 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग के

खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन में शामिल नहीं होगी, बल्कि यह उनका एक स्वतंत्र आंदोलन रहेगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर उन्होंने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। मुंबई पुलिस पर पुष्पांजलि की इजाजत न मिलने पर दीपके ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर पलटवार किया। दीपके ने सवाल किया कि अगर फडणवीस शिवाजी पार्क में राजनीतिक रैली कर सकते हैं, तब सीजेपी वहां प्रदर्शन क्यों नहीं कर सकती। उन्होंने असहमति को लोकतंत्र का अहम हिस्सा बताया और कहा कि वह तीन महीने तक जेल में रहने के



लिए तैयार हैं। यह बात उन्होंने फडणवीस की उस पूर्व चेतवानी के संदर्भ में कही थी, जिसमें उन्होंने

प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तारी की स्थिति में जमानत मिलने में लगने वाले समय के बारे में बताया था।

राम मंदिर के सभी कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन और चरित्र प्रमाणपत्र अनिवार्य

अयोध्या (एजेंसी)। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में कार्यरत सभी कर्मचारियों के पुलिस सत्यापन और चरित्र प्रमाणपत्र को अनिवार्य किया है। मंदिर कमेटी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कर्मचारियों को अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों सहित अन्य जरूरी व्यक्तिगत जानकारी भी मंदिर प्रशासन को उपलब्ध करानी होगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मंदिर की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करना है। मंदिर प्रशासन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, कर्मचारियों के पुलिस सत्यापन के साथ पुलिस की ओर से जारी चरित्र प्रमाणपत्र भी प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा है। इसके अलावा कर्मचारियों से उनके पारिवारिक और अन्य संबंधित विवरण लिए जाएंगे। यह अभियान पिछले महीने पदभार संभालने वाले नवनि्युक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। मंदिर में जून में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना सामने आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया है। इस मामले में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया था और सभी आरोपी फिलहाल जेल में हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामले में पिछले सप्ताह करीब 70 हजार पत्रों का आरोपपत्र भी दाखिल किया गया। ट्रस्ट के सदस्य दिनेंद्र दास ने कहा कि ट्रस्ट की ओर से लिए जाने वाले निर्णय मंदिर से जुड़े सभी लोगों को स्वीकार्य होंगे। उन्होंने कहा कि मंदिर में पूजा-पाठ संचारु रूप से चल रहा है और श्रद्धालुओं की संख्या भी लगातार बनी हुई है। दिनेंद्र दास के मुताबिक, मंदिर में दान की व्यवस्था भी ठीक तरीके से संचालित हो रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और आरती के लिए अयोध्या पहुंच रहे हैं। ट्रस्ट के पर सत्यापन अभियान के तहत मंदिर परिसर से जुड़े कर्मचारियों की पृष्ठभूमि और व्यक्तिगत विवरणों की जांच की

महानदी जल विवाद: ओडिशा और छत्तीसगढ़ समाधान की दहलीज पर

मुख्यमंत्री माझी आशान्वित

भुवनेश्वर, एजेंसी।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि उनका राज्य पड़ोसी छत्तीसगढ़ के साथ लंबे समय से चल रहे महानदी जल बंटवारे के विवाद को सुलझाने के करीब है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि यह समाधान अन्य राज्यों के लिए विवाद समाधान का एक मॉडल साबित होगा। सीएम माझी ने यह बात नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद कही, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल भी मौजूद थे। बैठक को अत्यंत सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण बताकर मुख्यमंत्री माझी ने उम्मीद जाहिर की कि जल्द ही एक अंतिम रूपरेखा की घोषणा होगी। उन्होंने खुलासा किया कि दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने विवाद के समाधान के लिए केंद्रीय जल



आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा लिए जाने वाले किसी भी फैसले का पालन करने पर सहमति व्यक्त की है। माझी ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकारों ने केवल देश और राज्यों के विकास को गति दे रही हैं, बल्कि अंतरराज्यीय विवादों के समाधान का मार्ग भी प्रशस्त कर रही हैं।

महानदी को ओडिशा की जीवनरेखा बताकर मुख्यमंत्री ने सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, जलविद्युत उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और पर्यावरणीय चिंताओं सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए और ओडिशा के लिए पर्याप्त जल सुनिश्चित करने की वकालत की। उन्होंने दावा किया कि 2024 में ओडिशा और 2023 में

छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद महानदी विवाद के समाधान की प्रक्रिया तेज हुई है, जिससे कानूनी कार्यवाही के साथ-साथ प्रशासनिक और राजनीतिक समाधान के रास्ते भी खुले हैं। इस संबंध में, उन्होंने दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच हुई पिछली चर्चाओं और विभिन्न स्तरों पर आयोजित कई बैठकों का भी उल्लेख किया। इस बीच, राजधानी भुवनेश्वर में विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) ने दिल्ली में हुई बैठक में लिए गए फैसलों को सार्वजनिक करने की मांग की। बीजद विधायक अरुण कुमार साहू ने बैठक को महज दिखावा करार दिया और टिप्पणी की कि केंद्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में ट्रिपल इंजन सरकार होने के बावजूद ढाई साल बाद भी विवाद वहीं का वहीं है।

घुसपैट नाकाम : बीएसएफ ने 2 पाकिस्तानी घुसपैटियों को मार गिराया

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब के तरनतारन सेक्टर में शुक्रवार देर रात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बड़ी कामयाबी मिली, जब बीएसएफ जवानों ने भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर घुसपैट की कोशिश कर रहे दो पाकिस्तानी नागरिकों को मार गिराया। यह घटना तरनतारन सेक्टर के राजोके गांव के पास स्थित सीमा चौकी (बीओपी) के इलाके में हुई, जहां सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान की ओर से बड़ी घुसपैट को नाकाम किया। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान के चहुनवाले इलाके से करीब तीन लोग भारतीय सीमा की तरफ बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। भारतीय इलाके में घुसपैट करते हुए उन्हें सीमा सुरक्षा में तैनात बीएसएफ के जवानों ने देख लिया। जवानों ने तुरंत उन्हें चेतवानी देकर रुकने का आदेश दिया। हालांकि, घुसपैटियों ने चेतावनी को नजरअंदाज कर भारतीय क्षेत्र में आगे बढ़ना जारी रखा। इसके बाद, स्थिति की गंभीरता को देखकर बीएसएफ जवानों ने बिना देर किए फायरिंग शुरू की। इस जवाबी कार्रवाई में दो घुसपैटिए मौके पर ही मारे गए। वहीं, एक अन्य घुसपैटिया फायरिंग के दौरान वापस पाकिस्तान की तरफ भागने में कामयाब रहा। बीएसएफ की त्वरित और निर्णायक कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। सुरक्षाबल लगातार क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि किसी भी अन्य संभावित खतरे का पता लगाया जा सके।

झारखंड के चाईबासा में खेत में मृत मिली हथिनी, दोनों दांत काट ले गए तस्कर

चाईबासा, एजेंसी।

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के बरनागांव के दीपसाई टोला में एक हथिनी मृत मिली। हथिनी के दोनों दांत काट लिए गए थे। आशंका व्यक्त की जा रही है कि हथिनी की मौत के पीछे हाथी दांत के तस्करों की साजिश हो सकती है। हालांकि, हथिनी की मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने खेत में हथिनी को मृत अवस्था में देखा और इसकी सूचना वन विभाग को दी। इसकी 9 बजे वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने आसपास के क्षेत्र से साक्ष्य जुटाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारण का पता चल सकेगा। विभाग प्रकृतिक मौत, शिकार या किसी अन्य कारण से मौत



की संभावना को ध्यान में रखकर जांच कर रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जगन्नाथपुर और आसपास के वन क्षेत्रों में बीते एक वर्ष के दौरान करीब 7 हाथियों की मौत की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

जगन्नाथपुर और आसपास के इलाकों में हाथियों के झुंड लगातार विचरण करते हैं और कई बार गांवों तथा रिहायशी इलाकों में पहुंच जाते हैं। इससे फसलों और घरों को नुकसान के साथ मानव-हाथी संघर्ष की स्थिति भी बनती रही है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों की लगातार आवाजाही के बीच उनकी

सुरक्षा और वन्यजीवों की सुरक्षा दोनों बड़ी चुनौती बन गई हैं। झारखंड के विभिन्न वन क्षेत्रों में पिछले एक वर्ष के दौरान हाथियों की मौत के कई मामले सामने आए हैं। सितंबर में लातेहार में एक हाथी की मौत अवैध रूप से लगाए गए बिजली के तार की चपेट में आने से हुई थी। मई में गिरिडीह के धोबरी वन क्षेत्र में एक कम उम्र के हाथी की झाड़ियों और लताओं में फंसने के बाद भूख-प्यास से मौत हुई थी। पश्चिमी सिंहभूम के टोटो क्षेत्र में जनवरी में एक हाथी की मौत दूसरे हाथी के साथ संघर्ष में लगी चोटों के कारण हुई थी। नवंबर 2025 में चाईबासा वन प्रभाग के अलग-अलग जंगलों में दो सप्ताह के भीतर तीन नर हाथियों के शव प्रभावित क्षेत्रों में पूर्व में आईईडी विस्फोट की चपेट में लगने से हाथियों की मौत की घटनाएं भी सामने आती रही हैं।